Himachal Dastak 23-06-2026

शिक्षा में पारदर्शिता, संस्कार व गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. राजेश

शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने भरमौर के डे-बोर्डिंग स्कूल में शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया

हिमाचल दस्तक ▮ भरमौर

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शनिवार को जनजातीय क्षेत्र भरमौर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक डे-बोर्डिंग स्कूल का दौरा कर शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद स्थापित करते हुए शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इस मौके पर डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि शिक्षा में पारदर्शिता, संस्कार व गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। डॉ. राजेश शर्मा ने स्कूल परिसर का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई, परीक्षाओं तथा भविष्य की योजनाओं को लेकर सवाल-जवाब किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा बोर्ड का उद्देश्य विद्यार्थियों और स्कूल प्रबंधन के बीच ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों से पारदर्शी संवाद

स्थापित करना है ताकि छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने कहा कि बोर्ड लगातार शिक्षा व्यवस्था को सरल और छात्र हितैषी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है, जिससे परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक सुगम एवं व्यवस्थित बनाया जा सके।

इस मौके पर स्कूल प्राचार्य ने संस्थान की उपलब्धियों, शैक्षणिक गतिविधियों तथा विभिन्न चुनौतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा स्कूलों में संस्कारयुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यपुस्तकों में विशेष विषय शामिल करने की योजना पर बोलते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा बोर्ड ने इस दिशा में एक समिति का गठन कर दिया है। डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश की कमान संभाली थी, तब राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश की शिक्षा रैंकिंग 21वें स्थान पर थी, लेकिन आज प्रदेश तीसरे स्थान तक पहुंच चुका है।

10वीं व 12वीं के पुनर्मूल्यांकन के लिए अपात्र घोषित अभ्यर्थियों को शुल्क जमा करने का अंतिम मौका

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि मार्च-2026 में आयोजित राज्य मुक्त विद्यालय मैट्रिक एवं जमा दो परीक्षाओं के परिणामों के उपरांत पुनर्मूल्यांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे। आवेदन पत्रों की जांच के दौरान कुछ अभ्यर्थियों के आवेदन आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण न होने के कारण पुनर्मूल्यांकन के लिए अपात्र पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि बोर्ड द्वारा ऐसे अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। जमा दो वर्ग में पांच तथा मैट्रिक वर्ग में एक अभ्यर्थी का आवेदन अनर्ह पाया गया है। यदि संबंधित अभ्यर्थियों द्वारा निर्धारित अवधि में पुनर्मूल्यांकन शुल्क जमा किया गया है, तो वे शुल्क जमा करने संबंधी प्रमाण सहित अपने दस्तावेज 25 जून तक बोर्ड कार्यालय में प्रस्तुत करें ताकि उनके प्रकरणों पर नियमानुसार विचार किया जा सके। डॉ. शर्मा ने कहा कि निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे समय रहते आवश्यक दस्तावेज बोर्ड कार्यालय में जमा करवाना सुनिश्चित करें ताकि पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूर्ण की जा सके। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि अनर्ह घोषित अभ्यर्थियों की विषयवार सूची बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

Amar Ujala 23-06-2026

डीएलएड की वार्षिक परीक्षाओं के लिए एक जुलाई से भरें फॉर्म

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ने इसी साल अक्तूबर में होने वाली डीएलएड नियमित वार्षिक परीक्षाओं के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत डीएलएड पार्ट-1 (बैच 2025-27) और डीएलएड पार्ट-2 (बैच 2024-26) के पात्र अभ्यर्थी अपने संबंधित शिक्षण संस्थानों के माध्यम से ऑनलाइन प्रवेश पत्र निर्धारित परीक्षा शुल्क सहित भेज सकेंगे।

स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि डीएलएड पार्ट-एक एवं पार्ट-दो (फुल सब्जेक्ट, रेगुलर) के लिए परीक्षा शुल्क 1000 रुपये निर्धारित किया गया है। आवेदन एवं प्रवेश पत्र भेजने की प्रक्रिया एक जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक चलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया है कि आवेदन की समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। ब्यूरो

Amar Ujala 23-06-2026

एसओएस परीक्षा : पांच अभ्यर्थियों के पुनर्मूल्यांकन आवेदन निरस्त

धर्मशाला। शिक्षा बोर्ड ने 12वीं (राज्य मुक्त विद्यालय) परीक्षा के परिणाम से असंतुष्ट परीक्षार्थियों द्वारा पुनर्मूल्यांकन (री-इवैल्युएशन) के लिए किए गए आवेदनों की जांच के बाद पांच अभ्यर्थियों के आवेदन निरस्त कर दिए हैं। बोर्ड ने सोमवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की है।

शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि 25 मई से 10 जून 2026 तक संबंधित स्कूलों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे। जांच के दौरान राम सिंह (अंग्रेजी), गायत्री देवी (राजनीति विज्ञान), यतिन सिंह चंदेल (अंग्रेजी), दिव्यांश भारद्वाज (अंग्रेजी व राजनीति विज्ञान) और निशु रानी (राजनीति विज्ञान) के आवेदन पुनर्मूल्यांकन के लिए पात्र नहीं पाए गए। ब्यूरो

परीक्षा परिणामों के पुनर्मूल्यांकन के छह आवेदन अयोग्य

धर्मशाला। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च में आयोजित राज्य मुक्त विद्यालय की दसवीं और जमा दो कक्षाओं के परीक्षा परिणामों के पुनर्मूल्यांकन के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद कुछ अभ्यर्थियों को आयोग्य घोषित किया है। बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि एसओएस जमा दो परीक्षा के लिए 25 मई से 10 जून तक संबंधित स्कूलों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। जांच के दौरान छह अभ्यर्थियों के आवेदन पात्र नहीं पाए गए। संबंधित अभ्यर्थी 25 जून तक आवश्यक दस्तावेजों सहित बोर्ड कार्यालय में अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

Divya Himachal 23-06-2026

डीएलएड परीक्षा को आवेदन पहली जुलाई से

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने अक्तूबर में होने वाली डीएलएड (डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन) वार्षिक परीक्षाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। बोर्ड द्वारा जारी सूचना के अनुसार डीएलएड प्रथम वर्ष (बैच 2025-27) तथा द्वितीय वर्ष (बैच 2024-26) के नियमित परीक्षार्थी अपने प्रवेश पत्र निर्धारित परीक्षा शुल्क के साथ संबंधित शिक्षण संस्थानों के माध्यम से ऑनलाइन प्रेषित कर सकेंगे। डीएलएड पार्ट-1 एवं पार्ट-2 (पूर्ण विषय) के नियमित विद्यार्थियों के लिए परीक्षा शुल्क 1000 रुपए निर्धारित किया गया है। प्रवेश पत्र एवं परीक्षा आवेदन ऑनलाइन जमा करने की प्रक्रिया पहली से 31 जुलाई तक जारी रहेगी।

JUNE 23, 2026 TUESDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

HPBOSE OPENS FINAL WINDOW FOR INELIGIBLE SOS STUDENTS TO SUBMIT FEES

The Sunny Times | Dharamshala

The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has provided a crucial opportunity for State Open School (SOS) students of classes 10 and 12 who were recently declared ineligible for the reevaluation of their March 2026 exam papers. Candidates whose applications were flagged as incomplete now have until June 25, 2026, to submit their proof of fee payment and other missing documents to the board office in Dharamshala to keep their applications valid.

Board Chairman Dr. Rajesh Sharma explained that online applications for reevaluation were invited after the announcement of the exam results. However, a detailed review by the board revealed that six students failed to complete the necessary formalities, which led to their disqualification from the process. This group includes five students from the 12th grade and one student from the 10th grade. To help these students identify their status, the board has uploaded a detailed list on its official website.

Dr. Sharma emphasized that this extension is strictly for students who had already paid their reevaluation fees within the original deadline but failed to provide proper documentation. These students must now submit their payment receipts directly to the board office by June 25. The board has made it clear that no claims or documents will be accepted after this final date. Students are urged to complete this process immediately to ensure that the reevaluation results can be processed and released without any further delays.